झारखण्ड रिन्युएबुल इनर्जी डेवलपमेन्ट एजेन्सी (ज्रेडा)

वित्तीय वर्ष: 2012–13

प्रस्तावित कार्य योजना की विस्तृत विवरणी

(1) **बायोगैस:**

बायोगैस अक्षय ऊर्जा का एक महत्वपूर्ण स्त्रोत है जिसे पशु गोबर, मानव अपशिष्ट, आदि जैसी जैविक सामग्रियों/ अपशिष्टों से प्राप्त किया जाता है। बायोगैस को ईंधन के रूप में प्रयोग के लिए बायोगैस से पाईप के द्वारा प्रयोग के स्थान तक भेजा जाता है। शेष बची पाचित स्लरी को कृषि भूमि में समृद्ध खाद के लिए और मत्स्यपालन हेतु प्रयोग किया जाता है।

बायोगैस, जिसमें लगभग 55 से 65 प्रतिशत तक मिथेन होती है, का प्रयोग दोहरे ईंधन इंजिनों में मोटिव पावर के लिए अल्टरनेटर के साथ जोड़ने पर बिजली उत्पादन के लिए 80 प्रतिशत तक डीजल तेल के प्रतिस्थापन के लिए किया जा सकता है।

अनुमोदित मॉडल:

बायोगैस संयंत्रों के लोकप्रिय और अनुमोदित मॉडल हैं (क) फ्लोटिग गैस होल्डर टाईप जिसे सामान्यतः भारतीय अथवा केवीआईसी (खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग) मॉडल कहा जाता है, (ख) फिक्सड् डोम टाईप, जिसे सामान्यतः दीनबंधु मॉडल के रूप में जाना जाता है।

वित्तीय वर्ष 2012–13 में ज्रेडा द्वारा राज्य के जनजातीय तथा सामान्य क्षेत्र में 500 घनमीटर बायोगैस संयंत्र अधिष्ठापित किया जाना है। दो घन मीटर क्षमता के संयंत्र को अधिष्ठापित करने में कुल लागत 12,000/– (बारह हजार) प्रति संयंत्र आती है। वित्तीय वर्ष 2012–13 में ज्रेडा द्वारा प्रति संयंत्र (दो घन मीटर क्षमता पर) रु0 8000/– (आठ हजार) का अनुदान दिया जाना है, शेष रु0 4000/– (चार हजार) लगभग लाभुकों को वहन करना पड़ेगा।

तालिका– 1

प्रस्तावित भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्य

कमांक	क्षेत्र	क्षमता	इकाई दर प्रति 2 घनमीटर संयंत्र (रू0 में)	अनुदान (रू0 में)	भौतक लक्ष्य	वित्तीय लक्ष्य (लाख में)
1	सभी वर्ग के लाभुकों के लिए	2 घनमीटर से 10 घनमीटर क्षमता एवं 10 घनमीटर क्षमता से उपर।	12000	4000/– प्रति घनमीटर	500 M^3	20.00

(2) सोलर फोटोभोल्टाईक कार्यक्रमः

सोलर संयंत्र सूर्य से प्राप्त विद्युत ऊर्जा से संचालित होते हैं। इसमें एक माडयूल होता है, जो दिन में सूर्य के प्रकाश से बैट्री को चार्ज किया जाता है तथा सी0एफ0एल0 का प्रयोग कर दुधिया रोशनी प्राप्त की जाती है, जो प्रदूषण रहित है। इसका उपभोग अत्यन्त ही सुलभ एवं जोखिमरहित है।

सोलर उपस्करों का अधिष्ठापन एवं वितरण कार्य झारखण्ड राज्य के उन क्षेत्रों में जहॉ अभी तक पारम्परिक ऊर्जा नहीं पहुॅच पाई है। प्राथमिकता के आधार पर ज्रेडा द्वारा ग्रामीणों को इस कार्यक्रम के अन्तर्गत सोलर ऊर्जा /उपस्कर के माध्यम से उपलब्ध कराना है।

उक्त योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित उपस्करों को ज्रेडा अनुदानित दर पर उपलब्ध कराती हैः–

(I) सोलर लालटेन :

(**a**) **CFL Based** सोलर लालटेन (CFL Based) में 7 वाट का CFL, 10 वाट का Module, 12 वोल्ट बैट्री है। सोलर मोड्यूल से बैट्री को चार्ज किया जाता है। प्रत्येक दिन लालटेन को चार –पॉच घंटे प्रयोग में लाया जा सकता है। यह पूरी तरह प्रदुषणरहित है, प्रचुर मात्रा में दुधिया प्रकाश उपलब्ध होता है। केरोसिन लालटेन से ज्यादा लाभदायक है, तीन साल में लागत वसूल हो जाती है ।

सोलर लालटेन (CFL Based) का अनुमानित क्रय दर 1980/– रू0 है। वित्तीय वर्ष 2012–13 अन्तर्गत राज्य के सभी वर्गो के सदस्यों के लिए 45000 अद्द सोलर लालटेन (CFL Based) वितरित किया जाना प्रस्तावित है, जिसके लिए ज्रेडा द्वारा 1500/– रू0 प्रति लालटेन अनुदान के रूप में दिया जायेगा। शेष राशि लाभुकों को वहन करना पड़ेगा।

तालिका– 2

प्रस्तावित भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्य

क्षेत्र	इकाई दर (रू0 में)	अनुदान (रू0 में)	भौतक लक्ष्य	वित्तीय लक्ष्य (लाख में)
सभी वर्ग के लाभुकों के लिए	1980/–	1500/–	45000	675.00

(**b**) **LED Based** सोलर लालटेन (LED Based) में 10 LED bulb, 5 वाट का Module, 12 वोल्ट बैट्री है। सोलर मोड्यूल से बैट्री को चार्ज किया जाता है। प्रत्येक दिन लालटेन को चार –पॉच घंटे प्रयोग में लाया जा सकता है। यह पूरी तरह प्रदुषणरहित है, प्रचुर मात्रा में दुधिया प्रकाश उपलब्ध होता है। केरोसिन लालटेन से ज्यादा लाभदायक है, तीन साल में लागत वसूल हो जाती है ।

सोलर लालटेन (LED Based) का अनुमानित क्रय दर 1841/– रू0 है। वित्तीय वर्ष 2012–13 अन्तर्गत राज्य के सभी वर्गो के सदस्यों के लिए 12500 अद्द सोलर लालटेन (LED Based) वितरित किया जाना प्रस्तावित है, जिसके लिए ज्रेडा द्वारा 1000/– रू0 प्रति लालटेन अनुदान के रूप में दिया जायेगा। शेष राशि लाभुकों को वहन करना पड़ेगा।

तालिका– 3

प्रस्तावित भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्य

क्षेत्र	इकाई दर (रू0 में)	अनुदान (रू0 में)	भौतक लक्ष्य	वित्तीय लक्ष्य (लाख में)
सभी वर्ग के लाभुकों के लिए	1841/–	1000/–	12500	125.00

(II) सोलर घरेलु लाईट (CFL Based) :

सौर फोटाभोल्टाईक प्रणाली के अन्तर्गत सोलर घरेलू लाईट राज्य के सभी वर्गो के सदस्यों के लिए 1500 अद्द सोलर घरेलु लाईट(CFL Based) वितरित किया जाना प्रस्तावित है, सोलर घरेलु लाईट में 2 CFL ,9 वाट), 37 वाट का पैनल, 40 ए0एच0 का बैट्री एवं चार्ज कन्ट्रोलर रहता है ।

सोलर घरेलु लाईट (CFL Based) का अनुमानित क्रय दर रु0 7970/– है। वित्तीय वर्ष 2012–13 अन्तर्गत राज्य के सभी क्षेत्र में 1000 अद्द सोलर घरेलु लाईट (CFL Based) वितरित किया जाने का प्रस्ताव है जिसके लिए 6000/– रू0 प्रति सेट अनुदान के रूप दिया जायेगा। शेष राशि लाभुकों को वहन करना पड़ेगा।

तालिका– 4

प्रस्तावित भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्य

क्षेत्र	इकाई दर (रू0 में)	अनुदान (रू0 में)	भौतक लक्ष्य	वित्तीय लक्ष्य (लाख में)
सभी वर्ग के लाभुकों के लिए	7970/–	6000/–	1000	60.00

(III) सोलर स्ट्रीट लाईट (CFL Based) :

सौर फोटाभोल्टाईक प्रणाली के अन्तर्गत सौर स्ट्रीट लाईट सुदुर ग्रामीण क्षेत्र जहॉ पारम्परिक ऊर्जा नहीं पहुॅची हो या निकट भविष्य में कोई योजना नहीं हो वैसी जगहों में सड़क, गली, सार्वजनिक स्थल, अस्पताल, विद्यालय आदि में ज्रेडा द्वारा स्थापित किया जाता है। सोलर स्ट्रीट लाईट की अधिष्ठापन जिला प्रशासन, वन विभाग, जिला आरक्षी अधीक्षक, सरकारी संस्थानों एवं विभागों के मांग एवं उनके निर्धारित द्वारा स्थलों पर की जाती है। सोलर स्ट्रीट लाईट म एक 11 वाट का CFL , 74 वाट का पैनल, 80 ए0एच0 का बैट्री एवं भेपर लाईट लोहा पोल में लगा रहता है, जो स्वतः सूर्यास्त के बाद जल जाता है तथा सूर्योदय होने पर बुझ जाता है।

सोलर स्ट्रीट लाईट (CFL Based) का अनुमानित क्रय दर रु0 16991/– है। वित्तीय वर्ष 2012–13 अन्तर्गत राज्य के सभी क्षेत्र में 2800 अद्द सोलर स्ट्रीट लाईट (CFL Based) वितरित करने का प्रस्ताव है जिसके लिए 10000/– रू0 प्रति सेट अनुदान के रूप दिया जायेगा। शेष राशि लाभुकों को वहन करना पड़ेगा।

तालिका– 5

प्रस्तावित भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्य

क्षेत्र	इकाई दर (रू0 में)	अनुदान (रू0 में)	भौतक लक्ष्य	वित्तीय लक्ष्य (लाख में)
सरकारी संस्थानों एवं विभागों के लिए	16991/–	10000/–	2800	280.00

(IV) सोलर पम्प सेट :

वित्तीय वर्ष 2012–13 में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में सौर फोटाभोल्टाईक प्रणाली के अन्तर्गत सोलर पम्प सेट का अधिष्ठापन करने का प्रस्ताव है।

तालिका– 6

क्रमांक	उपस्कर का नाम एवं क्षमता	भौतक लक्ष्य	वित्तीय लक्ष्य (लाख में)
1	सोलर पम्प सेट 1800 वाट (2 एच0पी)	150 HP	50.00
2	सोलर पम्प सेट 4800 वाट (5 एच0पी)		
कुल			50.00

(3) सोलर थर्मल कार्यक्रमः

सौर जल उष्मक संयंत्रः सौर जल उष्मक संयंत्र से बिना विद्युत के पानी गर्म किया जाता है इस संयंत्र से 60–80 से0ग्रे0 तक गर्म पानी प्राप्त होता है, आम घरों से लेकर होटल, अस्पताल, डेयरी प्रोजेक्ट एवं अन्य सरकारी /गैर सरकारी उपक्रमों में गर्म पानी का प्रयोग स्नान करने से लेकर सभी प्रकार की सफाई, धुलाई कार्यो में किया जा सकता है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि 24 घंटे बिना किसी अतिरिक्त खर्च के गर्म पानी प्राप्त किया जा सकता है इस संयंत्र के अधिष्ठापन से बिजली की जो बचत होती है उससे तीन वर्षो में संयंत्र की लागत पूरी वसूल हो जाती है। Flat Plate Collector Based (FPC) के लगाने का अनुमानित व्यय 185/– रू0 प्रति लीटर है। निर्माताओं द्वारा 100 लीटर का न्यून्तम संयंत्र बनाया जाता है। इसका अधिष्ठापन अत्यन्त ही सरल होता है यह घरों या प्रतिष्ठानों के छतों पर आसानी से अधिष्ठापित किया जा सकता है।

वित्तीय वर्ष 2012–13 में जनजातीय तथा सामान्य क्षेत्र में Flat Plate Collector Based (FPC) Type 200000 लीटर अधिष्ठापन किया जाना है, FPC सोलर गर्म जल संयंत्र के लिए 100/– रू0 प्रति लीटर अनुदान के रूप दिया जाना प्रस्तावित है।

तालिका– 7

प्रस्तावित भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्य

क्षेत्र	इकाई दर (रू0 में)	अनुदान (रू0 में)	भौतक लक्ष्य	वित्तीय लक्ष्य (लाख में)
जनजातिय तथा सामान्य क्षेत्र	185/– प्रति लीटर	100/– प्रति लीटर	200000 लीटर	200.00

(4) लघु जल विद्युत परियोजनाः

लघु जल विद्युत संयंत्र का अधिष्ठापन जल स्त्रोतों पर किया जाता है। जल विद्युत परियोजना से विद्युत उत्पादन प्रदूषण मुक्त होता है। इसके रख–रखाव पर कोई अतिरिक्त व्यय नहीं होता है। लघु जल विद्युत संयंत्रो के अधिष्ठापन होने से राज्य में विद्युत की मॉंग (Demand) को कम किया जा सकता है तथा उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा।

वर्त्तमान में लघु जल विद्युत परियोजनाओं के चिन्हित 69 स्थलों में से प्रथम चरण में 22 स्थलों में विकास हेतु परामर्शी M/s Feedback Infrastructure Services (P) Ltd., Gurgaon ***द्वारा स्थल निरीक्षण, विभिन्न*** Hydrological parameters ***का अध्ययन, उपलब्ध पी0एफ0आर0/डी0एस0आई0 प्रतिवेदन की समीक्षा इत्यादि किये जा रहे हैं। 05 स्थलों में कुल 36.8 मेगावाट क्षमता लघु जल विद्युत परियोजना के विकास हेतु डी0पी0आर0 तैयार कर लिया गया है, जिसे सरकार के अनुमोदन हेतु ऊर्जा विभाग को भेजा गया है। डी0पी0आर0 के अनुमोदनोपरांत डेवलपर के चयन हेतु*** RfQ & RfP ***का प्रकाशन कराया जाना है,*** निविदा के माध्यम से प्राईवेट निवेशक का चयन करते हुए पी0पी0पी0 मोड़ से लघु जल विद्युत परियोजना के विकास किये जाने का प्रस्ताव है।

तालिका– 8

प्रस्तावित भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्य

क्षेत्र	अनुदान प्रति किलोवाट (रू0 में)	भौतक लक्ष्य	वित्तीय लक्ष्य (लाख में)
राज्य के सभी क्षेत्रों में लघु जल विद्युत परियोाजना के विकास हेतु।	.....	***36.8 मेगावाट क्षमता***	625.00

(5) सुदूर ग्राम विद्युतीकरणः

इस योजना का मुख्य उद्वेश्य वैसे सुदूरवर्ती अविद्युतीकृत ग्रामों में जहाँ ग्रिड कनेक्टीविटी संभव नहीं हो अथवा लागत ज्यादा हो, को अपारम्परिक ऊर्जा स्रोतों के माध्यम से विद्युतीकरण करना है।

उक्त उद्वेश्य को पूर्ण करने हेतु नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार तथा झारखण्ड सरकार द्वारा सुदूर ग्रामीण विद्युतीकरण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस योजना में राशि भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा अनुदान के रूप में उपलब्ध कराई जाती है।

उक्त उद्वेश्य को पूर्ण करने हेतु नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार तथा झारखण्ड सरकार द्वारा सुदूर ग्रामीण विद्युतीकरण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस योजना में 90 प्रतिशत राशि भारत सरकार द्वारा तथा शेष राज्य सरकार द्वारा अनुदान के रूप में उपलब्ध कराई जाती है।

प्रकियाः सर्वप्रथम झारखण्ड राज्य विद्युत बोर्ड द्वारा सोलर उपस्करों के माध्यम से विद्युतीकरण हेतु अनापत्ति प्रमाण–पत्र के साथ ग्रामों की सूची उपलब्ध करायी जाती है। बोर्ड द्वारा उपलब्ध कराये गये सभी ग्रामों का विस्तृत सर्वेक्षण कराने बाद डी0पी0आर0 तैयार कराया जाता है। तत्पश्चात् नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार की स्वीकृति हेतु जेडा द्वारा विस्तृत प्रस्ताव भेजा जाता है।

वर्त्तमान में 144 ग्रामों में सुदूर ग्राम विद्युतीकरण योजना के अन्तर्गत सोलर उपस्करों के माध्यम से विद्युतीकरण के लिए तथा डी0भी0सी0 द्वारा उपलब्ध कराये गये 295 ग्रामों के लिए झारखण्ड राज्य विद्युत बोर्ड से अनापत्ति प्रमाण–प्रत्र हेतु अनुरोध किया गया है। बोर्ड से अनापत्ति प्रमाण–पत्र प्राप्त होने के पश्चात् अग्रेतर कार्रवाई की जाएगी।

वित्तीय वर्ष 2012–13 में (SPV Based) सोलर उपस्करों के माध्यम से 125 सुदूरवर्ती अविद्युतीकृत ग्रामों को विद्युतीकरण करने की योजना है।

तालिका– 9

प्रस्तावित भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्य

क्षेत्र	अनुदान प्रति ग्राम (रू0 में)	भौतक लक्ष्य	वित्तीय लक्ष्य (लाख में)
राज्य के विभिन्न क्षेत्र	.....	**125 ग्राम**	150.00

(6) समेकित ग्रामीण ऊर्जा कार्यक्रमः

समेकित ग्रामीण ऊर्जा कार्यक्रम के अन्तर्गत जिला उपायुक्त उप विकास आयुक्त के माध्यम से कलस्टर के रूप में पॉच जिला अन्तर्गत 4 सुदूर अविद्युत्तीकृत ग्रामों की सूची की मॉग किया जाना है। प्राप्त सूची के आधार ग्रामों का सर्वेक्षण कर न्यूनतम ऊर्जा की आपूर्ति करने हेतु प्रस्ताव तैयार किया जायगा। प्रत्येक ग्राम में विद्युत आपूर्ति हेतु सर्वेक्षण एवं डी0पी0आर0 तैयार की योजना है।

तालिका– 10

प्रस्तावित भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्य

क्षेत्र	अनुदान प्रति ग्राम (रू0 में)	भौतक लक्ष्य	वित्तीय लक्ष्य (लाख में)
सर्वेक्षण एवं डी0पी0आर0	.....	**5 ग्राम**	5.00

(7) सर्वेक्षण एवं प्रचार–प्रसारः

अपारम्परिक ऊर्जा के सभी संयंत्रों /उपस्करों से संबंधित जानकारी, सुदुर ग्रामीणों तक पहुॅचाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम प्रचार–प्रसार है। इसके तहत वार्षिक प्रतिवेदन, बुकलेट, लिफलेट, सर्वेफार्म पम्पलेट, फोल्डर, जागरूकता शिविर एवं प्रषिक्षण कार्यक्रम, समाचार पत्रों में निविदा विज्ञापन एवं आम सूचनाए मेला, 26 जनवरी के अवसर पर झॉकी□ स्थापना दिवस पर अक्षय ऊर्जा से संबंधित स्टॉल□ श्रावणी मेला देवघर□ जगन्नाथपुर मेला धुर्वा रॉची□ खादी ग्रामोद्योग द्वारा प्रायोजित खादी एवं सरस मेला में स्टॉल लगाकर एवं चल प्रदशर्नी के माध्यम से प्रचार्र प्रसार अक्षय ऊर्जा से संबंधित स्कूल स्तरीय प्रतियोगिता, चल प्रदर्शनी वाहन, दीवार लेखन, होडिंग, बस स्टॉप सेल्टर, आकाशवाणी एवं दूरदर्शन आदि । अक्षय ऊर्जा दिवस पर जिला एवं राज्य स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन एवं पुरस्कार वितरण आदि कार्यों का प्रावधान है।

ज्रेडा में कार्यान्वित की जाने वाली सभी योजनाओं के तहत् शोध एवं विकास कार्यक्रम, सर्वेक्षण, तृतीय पक्ष निरीक्षण, निविदा कागजात के निर्माण एवं मूल्यांकन, Pre-dispatch Inspection & Sample Technical Audit तथा अन्य कार्यों का प्रावधान है।

तालिका– 11

प्रस्तावित वित्तीय लक्ष्य

क्षेत्र	वित्तीय लक्ष्य (लाख में)
सर्वेक्षण एवं प्रचार–प्रसार आदि (शोध एवं विकास कार्यक्रम, सर्वेक्षण, तृतीय पक्ष निरीक्षण, निविदा कागजात निर्माण एवं मूल्यांकन, Pre-dispatch Inspection, वार्षिक प्रतिवेदन, बुकलेट, लिफलेट, लेटरपैड, सर्वेफार्म पम्पलेट, फोल्डर, जागरूकता शिविर एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम, समाचार पत्रों में निविदा विज्ञापन एवं आम सूचनाए मेला, झाँकी, अक्षय ऊर्जा से संबंधित स्कूल स्तरीय प्ररियोगिता, चल प्रदर्शनी वाहन, दीवार लेखन, होडिंग, बस स्टॉप सेल्टर, आकाशवाणी एवं दूरदर्शन आदि तथा अन्य।)	200.00

(8) वेतन एवं कार्यालय व्ययः

वित्तीय वर्ष 2012–13 अन्तर्गत ज्रेडा कार्यालय में कार्यरत पदाधिकारियों /कर्मचारियों के वेतन भुगतान, मानदेय भुगतान, यात्रा भत्ता भुगतान, वाहनों के ईंधन एवं मरम्मति, दूरभाष तथा अन्य कार्यो के लिए वित्तीय उपबंध ज्रेडा द्वारा किया गया है।

तालिका– 12

प्रस्तावित वित्तीय लक्ष्य

क्षेत्र	वित्तीय लक्ष्य (लाख में)
वेतन एवं कार्यालय व्ययः	200.00

(9) सोलर पार्क

सोलर पार्क मुख्य रूप से एक चिन्हित क्षेत्र है, जिसका उद्वेश्य योजनावद्ध तरीके से सोलर ऊर्जा विकास के लिए किया जाना है।

राज्य में सोलर विद्युत उत्पादन की व्यापक संभावनाएँ हैं जिसका दोहन राज्य में सोलर पार्क स्थापना से किया जा सकता है।

वित्तीय वर्ष 2012–13 में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में सोलर पार्क की स्थापना हेतु भूमि अधिग्रहण, भू–विकास, बिजली, जल इत्यादि की व्यवस्था किये जाने का प्रस्ताव है।

तालिका– 13

प्रस्तावित वित्तीय लक्ष्य

क्षेत्र	वित्तीय लक्ष्य (लाख में)
राज्य के पॉच प्रमण्डल में सोलर पार्क की स्थापना	51.50

(10) ब्लॉक/पंचायत में **E-governance** हेतु सोलर पावर पैक का अधिष्ठापन:

***E-governance** हेतु राज्य के 260 प्रखण्ड मुख्यालय एवं 4423 पंचायत मुख्यालय मे कुल* 4943 kWp (260 X 2 kWp + 4423 x 1 kWp) *सोलर पावर प्लांट अधिष्ठापित करने का प्रस्ताव है*। वित्तीय वर्ष 2012–13 में राज्य के पंचायत/प्रखण्ड मुख्यालय में E-governance हेतु 3640 किलोवाट क्षमता के सोलर पावर प्लांट के अधिष्ठापन की योजना है, जिसके लिए राशि का उपबंध किया गया है।

तालिका– 14

प्रस्तावित भौतिक एव वित्तीय लक्ष्य

क्षेत्र	वित्तीय लक्ष्य (लाख में)
पंचायत/प्रखण्ड मुख्यालय में E-governance हेतु 3640 किलोवाट क्षमता के सोलर पावर प्लांट के अधिष्ठापन	6115.00

(11) घोड़ाबांध **Theme Energy Park, जमशेदपुर के enrichment हेतु:**

अपारम्परिक ऊर्जा स्रोतों के प्रोत्साहन एवं उपयोग को बढ़ावा देने हेतु घोड़ाबांध थीम ऊर्जा पार्क जमशेदपुर में सोलर पावर प्लांट 5 kWp **क्षमता, ट्वाय ट्रेन, म्यूजिकल फाउनटेन इत्यादि के अधिष्ठापन की योजना है।**

तालिका– 15

क्षेत्र	वित्तीय लक्ष्य (लाख में)
घोड़ाबांध थीम इनर्जी पार्क, जमशेदपुर के enrichment हेतु	242.00

(12) सोलर पावर प्लांट :

1. **5 x 100 kWp Stand Alone Solar Power Plant and 2500 LED based Solar Street Lights from Deoghar to Basukinath:**

उक्त योजना हेतु नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार से रु0 4.00 करोड़ केन्द्रीय अंशदान के रूप, रु0 4.50 करोड़ सासंद निधि से प्राप्त होना प्रस्तावित है। राज्य सरकार द्वारा इस मद में रु0 8.00 करोड़ राज्य योजना के अन्तर्गत व्यय उपबंधित किया गया है।

तालिका– 16

क्षेत्र	वित्तीय लक्ष्य (लाख में)
5 x 100 kWp Stand Alone Solar Power Plant and 2500 LED based Solar Street Lights from Deoghar to Basukinath	800.00

2. **213 kWp Stand Alone Solar Power Plant at Netrahat Vidhyalaya, Latehar:**

मुख्य सचिव, झारखण्ड–सह–अध्यक्ष, कार्यपालक कमिटि द्वारा **Netrahat Vidhyalaya, Latehar** के लिए सोलर पावर प्लांट के अधिष्ठापन हेतु कुल परियोजना लागत की **35%** राशि (रु0 201.50लाख) राज्य योजना के अन्तर्गत व्यय करने हेतु निदेश दिया गया है।

तालिका– 17

क्षेत्र	वित्तीय लक्ष्य (लाख में)
213 kWp Stand Alone Solar Power Plant at Netrahat Vidhyalaya, Latehar	201.50